मानव तस्करी का शिकार होने से बची हरिहरगंज, पलामू की शोभा कुमारी, काशल प्रशिक्षण बना जीवन का सहारा

झारखण्ड के सुदूरवर्ती क्षेत्रों में गरीबी एक आम समस्या है। ग्रामीण इलाकों में गरीब परिवार मेहनत मजदूरी करके ही अपना जीवन बसर करते हैं। राज्य का डाल्टनगंज यानि पलामू राज्य का एक ऐसा क्षेत्र है जो खेती के लिहाज से भी अपेक्षाकृत कम उत्पादक क्षेत्र माना जाता है। राज्य के अन्य क्षेत्रों से अत्यधिक गर्मी तथा सिंचाई योग्य जल स्रोतों की कमी के कारण कृषि प्रधान राज्य में इस इलाके के किसान हर वर्ष अपनी बेबसी का नया आयाम गढ़ने को मजबूर हो जाते है। इसी पलामू जिला मुख्यालय से लगभग 120 किलोमीटर दूरस्थ गांव है हरिहरगंज। जिला के दूसरे गाँव की तरह यहाँ भी सिंचाई योग्य पानी की कमी है। साथ ही पीने योग्य जल में भी आर्सेनिक और फ्लोराइड लवण की बहुतायत के कारण आम लोगों को तरह तरह की बीमारियों का भी सामना करना पड़ता है।

ऐसी ही एक कहानी है हरिहरगंज, पलामू की शोभा कुमारी की, जिसका परिवार पानी की कमी के कारण लहलहाते खेती का स्वपन छोड़ मेहनत मजदूरी करने लगा। खेतीहर मजदूर के रूप में परिवार को हो रहा धनोपार्जन भरण–पोषण के लिए प्रचुर नहीं था लेकिन पूरे परिवार की गाड़ी संतोषपूर्वक चल रही थी। इसी बीच गरीबी के बीच बीमारी ने भी अपनी जगह बना ली और पिता रामगति महतो किडनी की बीमारी से पीड़ित हो गए। परिवार में माँ और एक छोटे भाई की जिम्मेवारी अब व्यस्क हो चुकी शोभा के सिर पर था। शोभा अपने बल पर कुछ करना चाहती थी लेकिन माता पिता को आस–पास के गाँव में सुनी जाने वाली महिलाओं की बिक्री (Human Trafficking) का भय सताने लगा।

जीविकोपार्जन की इसी कसम कसमकश के बीच एक दिन झारखण्ड कौशल विकास मिशन सोसाईटी की प्रशिक्षण प्रदाता संस्था Data Pro Computers Pvt. Ltd. के उत्प्रेरकों ने उसके गाँव का दौरा किया। शुरूआत में शोभा के पिता को लगा कि ये कोई मानव तस्करी करने वाले लोग हैं लेकिन जब उन्होंनें कौशल प्रशिक्षण के बारे में जानकारी दी तो पूरे परिवार के लिए यह अवसर डूबते हो तिनके का सहारा के समान नज़र आने लगा। अंततः पिता श्री रामगति महतो ने बेटी को नहीं बेचने की शर्त के साथ आवासीय कौशल प्रशिक्षण के लिए अनुमति दे दी।

फिर यहाँ से शोभा की जिंदगी के मायने बदल गये। शोभा ने 72 दिनों का सिलाई मशीन ऑपरेटर का आवासीय कौशल प्रशिक्षण लेना शुरू किया। अक्टूबर 2018 में सफलतापूर्वक प्रशिक्षण के उपरांत साक्षात्कार तथा प्रायोगिक परीक्षा के आधार पर शोभा कुमारी का चयन Welspon India Pvt. Ltd Bapi Gujrat, में हो गया। विगत एक वर्ष से अधिक समय से शोभा अपनी कंपनी में अपनी सेवा बखूबी दे रही है और उन्हें अपने काम के एवज में सम्मानजनक रूप से सकल रू0 8,500 (आठ हजार पाँच सौ) का मासिक वेतनमान प्राप्त हो रहा है। इन पैसों का अधिकतम हिस्सा शोभा अपने घर पिता के ईलाज और भाई के पढ़ाई के लिए भेज देती है। हर तीन महीने पर शोभा अपने घर भी आती है। गाँव से पहली बार बाहर निकलकर नौकरी करने वाली शोभा को गाँव के युवा अपने आईकॉन के रूप में मानते हैं और उसे नौकरी पर जाते समय 50 से अधिक युवा छोड़ने के लिए रेलवे स्टेशन तक आते है।

इस प्रकार शोभा की कहानी हम सबको परिस्थितियों से जूझने की प्रेरणा देती है। साथ ही, जिंदगी के काले अध्याय से अनुभव लेकर नया भविष्य गढ़ने की भी सीख देती है। झारखण्ड कौशल विकास मिशन सोसाईटी की ओर से शोभा को उनके उज्जवल भविष्य के लिए अन्नंत शुभकामनाएँ।

****